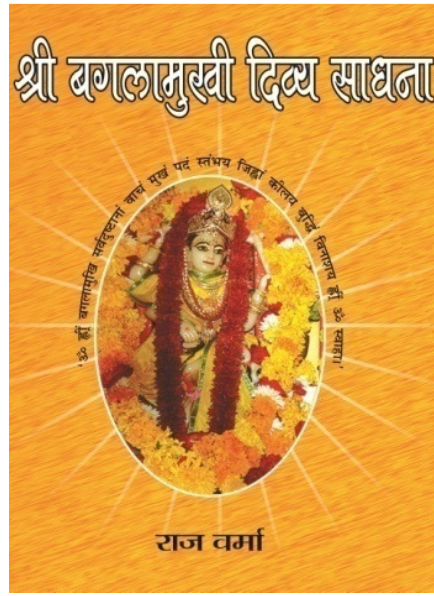


Shri Baglamukhi Sahasranamavali With
Beej Mantra

श्रीबगलामुखी सहस्रनामावलि बीजाक्षरयुक्त



Gurudev Raj Verma

Contact- +91-9897507933, +91-7500292413(WhatsApp No.)

Email- mahakalshakti@gmail.com

For more info visit---

www.scribd.com/mahakalshakti

Shri Raj Verma Ji
Contact- 09897507933, 07500292413

सहस्रनाम में देवता के असंख्य स्वरूपों, शक्तियों एवं आलौकिक ऊर्जा का वर्णन मिलता है। जिसके माध्यम से देवता की महिमा की जानकारी मिलती है। प्रत्येक नाम दिव्य एवं मंत्रयुक्त है। सहस्रनाम के पाठ से भगवती बगला अत्यन्त प्रसन्न होती हैं। साधक बगला बीजाक्षर के अतिरिक्त अपनी कामनानुसार अन्य बीजमंत्रों का संयोग करके भी सहस्रनामावलि का पाठ कर सकता है। जैसे- ॐ, श्रीं, ऐं, क्लीं, ह्रीं, खं, गं, ह्रौं इत्यादि। सहस्रनामावलि के द्वारा जप, अर्चन, तर्पण एवं होम का सम्पादन किया जा सकता है। केवल पाठ करना हो तो ॐ ह्रीं ब्रह्मास्त्रायै नमः, पुष्पाचर्न करना हो तो ॐ ह्रीं ब्रह्मास्त्रायै पूजयामि नमः, तर्पण में ॐ ह्रीं ब्रह्मास्त्रायै तर्पयामि नमः और होम में ॐ ह्रीं ब्रह्मास्त्रायै नमः स्वाहा का उच्चारण होगा। अर्चन, तर्पण एवं होम में सामग्री का चयन कार्य एवं परिस्थिति के अनुसार किया जाता है।

विनियोग- ॐ अस्य श्रीबगलामुखीसहस्रनामस्तोत्रस्य श्रीभगवान् सदाशिव ऋषिः, अनुष्टुप् छन्दः, श्रीजगद्वश्यकरी पीताम्बरादेवता, मम सर्वाभीष्ट सिद्ध्यर्थे श्रीबगला सहस्रनाम जपे विनियोगः।

ऋष्यादिन्यास- श्रीभगवान् सदाशिवऋषये नमः शिरसि। अनुष्टुप् छन्दसे नमः मुखे। श्रीजगद्वश्यकरी पीताम्बरादेवतायै नमः हृदि। सर्वाभीष्ट सिद्ध्यर्थे श्रीबगलासहस्रनाम जपे विनियोगाय नमः सर्वांगे।

ध्यानम्- पीताम्बरपरीधानां पीनोन्नतपयोधराम्। जटामुकुट शोभाढ्यां पीतभूमि सुख्रासनाम्॥ शत्रोर्जिह्वां मुद्गरं च विभ्रतीं परमां कलाम्। सर्वागमपुराणेषु विख्यातां भुवनत्रये॥ सृष्टिरिथिति विनाशानामादिभूतां महेश्वरीम्। गोप्यां सर्वप्रयत्नेन शृणु तां कथयामि ते॥ जगद्विध्वंसिनीं देवीमजराऽमरकारिणीम्। तां नमामि महामायां महदैश्वर्यदायिनीम्॥

सहस्रनामावली- ॐ ह्रीं ब्रह्मास्त्रायै नमः। ॐ ह्रीं ब्रह्मविद्ययायै नमः। ॐ ह्रीं ब्रह्ममायायै नमः। ॐ ह्रीं सनातन्यै नमः। ॐ ह्रीं ब्रह्मेश्यै नमः। ॐ ह्रीं ब्रह्मकैवल्यायै नमः। ॐ ह्रीं बगलायै नमः। ॐ ह्रीं ब्रह्मचारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं नित्यानन्दायै नमः। ॐ ह्रीं नित्यसिद्धायै नमः॥१०॥ ॐ ह्रीं नित्यरूपायै नमः। ॐ ह्रीं निरामयायै नमः। ॐ ह्रीं सन्धारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं महामायायै नमः। ॐ ह्रीं कटाक्षक्षेमकारिण्यै नमः। ॐ

हर्ली कमलायै नमः। ॐ हर्ली विमलायै नमः। ॐ हर्ली नीलायै
नमः। ॐ हर्ली रत्न कान्तिर्गुणाश्रितायै नमः। ॐ हर्ली कामप्रियायै
नमः। 20। ॐ हर्ली कामरतायै नमः। ॐ हर्ली कामायै नमः।
ॐ हर्ली कामस्वरूपिण्यै नमः। ॐ हर्ली मंगलायै नमः। ॐ हर्ली
विजयायै नमः। ॐ हर्ली जयायै नमः। ॐ हर्ली सर्वमंगलकारिण्यै
नमः। ॐ हर्ली कामिन्यै नमः। ॐ हर्ली कामनीयै नमः। ॐ
हर्ली काम्यायै नमः। 30। ॐ हर्ली कामुकायै नमः। ॐ हर्ली
कामचारिण्यै नमः। ॐ हर्ली कामप्रियायै नमः। ॐ हर्ली
कामरतायै नमः। ॐ हर्ली कामायै नमः। ॐ हर्ली कामस्वरूपिण्यै
नमः। ॐ हर्ली कामाख्यायै नमः। ॐ हर्ली कामबीजस्थायै नमः।
ॐ हर्ली कामपीठनिवासिन्यै नमः। ॐ हर्ली कामदायै नमः। 40।
ॐ हर्ली कामहायै नमः। ॐ हर्ली काल्यै नमः। ॐ हर्ली
कपाल्यै नमः। ॐ हर्ली करालिकायै नमः। ॐ हर्ली कंसार्यै नमः।
ॐ हर्ली कमलायै नमः। ॐ हर्ली कामायै नमः। ॐ हर्ली
कैलासेश्वरवल्लभायै नमः। ॐ हर्ली कात्यायिन्यै नमः। ॐ हर्ली
केशवायै नमः। 50। ॐ हर्ली करुणायै नमः। ॐ हर्ली
कामकेलिभुक्त्यै नमः। ॐ हर्ली क्रियायै नमः। ॐ हर्ली कीर्त्यै
नमः। ॐ हर्ली कृत्तिकायै नमः। ॐ हर्ली काशिकायै नमः। ॐ
हर्ली मथुरायै नमः। ॐ हर्ली शिवायै नमः। ॐ हर्ली कालाक्ष्यै
नमः। ॐ हर्ली कालिकायै नमः। 60। ॐ हर्ली काल्यै नमः। ॐ

हर्ली धवलाननसुन्दर्यै नमः। ॐ हर्ली खेचर्यै नमः। ॐ हर्ली
खमूर्त्यै नमः। ॐ हर्ली क्षुद्रायै नमः। ॐ हर्ली क्षुद्रक्षुधायै नमः।
ॐ हर्ली वरायै नमः। ॐ हर्ली खड्गहस्तायै नमः। ॐ हर्ली
खड्गरतायै नमः। ॐ हर्ली खड्गिन्यै नमः। 70। ॐ हर्ली
खर्परप्रियायै नमः। ॐ हर्ली गंगायै नमः। ॐ हर्ली गौर्यै नमः।
ॐ हर्ली गामिन्यै नमः। ॐ हर्ली गीतायै नमः। ॐ हर्ली
गोत्रविवर्द्धिन्यै नमः। ॐ हर्ली गोधरायै नमः। ॐ हर्ली गोकरायै
नमः। ॐ हर्ली गोधायै नमः। ॐ हर्ली गन्धर्वपुरवासिन्यै
नमः। 80। ॐ हर्ली गन्धर्वायै नमः। ॐ हर्ली गन्धर्वकलायै नमः।
ॐ हर्ली गोपिन्यै नमः। ॐ हर्ली गरुडासनायै नमः। ॐ हर्ली
गोविन्दभावायै नमः। ॐ हर्ली गोविन्दायै नमः। ॐ हर्ली गान्धार्यै
नमः। ॐ हर्ली गन्धमादिन्यै नमः। ॐ हर्ली गौरांगायै नमः। ॐ
हर्ली गोपिकामूर्त्यै नमः। 90। ॐ हर्ली गोप्यै नमः। ॐ हर्ली
गोष्ठनिवासिन्यै नमः। ॐ हर्ली गन्धायै नमः। ॐ हर्ली
गजेन्द्रगायै नमः। ॐ हर्ली मान्यायै नमः। ॐ हर्ली गदाधरप्रियायै
नमः। ॐ हर्ली ग्रहायै नमः। ॐ हर्ली घोरघोरायै नमः। ॐ
हर्ली घोररूपायै नमः। ॐ हर्ली घनश्रोण्यै नमः। 100। ॐ हर्ली
घनप्रभायै नमः। ॐ हर्ली दैत्येन्द्र प्रबलायै नमः। ॐ हर्ली
घण्टावादिन्यै नमः। ॐ हर्ली घोरनिस्वनायै नमः। ॐ हर्ली
डाकिन्यै नमः। ॐ हर्ली उमायै नमः। ॐ हर्ली उपेन्द्रायै नमः।

Shri Raj Verma Ji

Contact- 09897507933, 07500292413

ॐ ह्रीं उर्वश्यै नमः। ॐ ह्रीं उरगासनायै नमः। ॐ ह्रीं
उत्तमायै नमः। 110। ॐ ह्रीं उन्नतायै नमः। ॐ ह्रीं उन्नायै
नमः। ॐ ह्रीं उत्तमस्थान निवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं चामुण्डायै
नमः। ॐ ह्रीं मुण्डिकायै नमः। ॐ ह्रीं चण्ड्यै नमः। ॐ
ह्रीं चण्डदर्पहर्यै नमः। ॐ ह्रीं उग्रचण्डायै नमः। ॐ ह्रीं
चण्डचण्डायै नमः। ॐ ह्रीं चण्डदैत्यविनाशिन्यै नमः। 120। ॐ
ह्रीं चण्डरूपायै नमः। ॐ ह्रीं प्रचण्डायै नमः। ॐ ह्रीं
चण्डाचण्डशरीरिण्यै नमः। ॐ ह्रीं चर्तुभुजायै नमः। ॐ ह्रीं
प्रचण्डायै नमः। ॐ ह्रीं चराचरनिवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
क्षत्रप्रायश्शिरोवाहायै नमः। ॐ ह्रीं छलाछलतरायै नमः। ॐ ह्रीं
छलियै नमः। ॐ ह्रीं क्षत्ररूपायै नमः। 130। ॐ ह्रीं क्षत्रधरायै
नमः। ॐ ह्रीं क्षत्रियक्षयकारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं जयायै नमः।
ॐ ह्रीं जयदुर्गायै नमः। ॐ ह्रीं जयन्त्यै नमः। ॐ ह्रीं
जयदापरायै नमः। ॐ ह्रीं जायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं जयिन्यै
नमः। ॐ ह्रीं ज्योत्स्नायै नमः। ॐ ह्रीं जटाधरप्रियायै
नमः। 140। ॐ ह्रीं जितायै नमः। ॐ ह्रीं जितेन्द्रियायै नमः।
ॐ ह्रीं जितक्रोधायै नमः। ॐ ह्रीं जयमानायै नमः। ॐ ह्रीं
जनेश्वर्यै नमः। ॐ ह्रीं जितमृतवे नमः। ॐ ह्रीं जरातीतायै
नमः। ॐ ह्रीं जाहनव्यै नमः। ॐ ह्रीं जनकात्मजायै नमः।
ॐ ह्रीं झंकारायै नमः। 150। ॐ ह्रीं झंझर्यै नमः। ॐ ह्रीं

झण्टायै नमः। ॐ हर्ली झंकार्यै नमः। ॐ हर्ली झकशोभिन्यै
नमः। ॐ हर्ली झखायै नमः। ॐ हर्ली झमेशायै नमः। ॐ हर्ली
झंकार्यै नमः। ॐ हर्ली योनिकल्याणदायिन्यै नमः। ॐ हर्ली
झर्झरायै नमः। ॐ हर्ली झमुर्यै नमः। 160। ॐ हर्ली झारायै
नमः। ॐ हर्ली झरायै नमः। ॐ हर्ली झरतरायै नमः। ॐ हर्ली
परायै नमः। ॐ हर्ली झंझायै नमः। ॐ हर्ली झमेतायै नमः।
ॐ हर्ली झंकार्यै नमः। ॐ हर्ली झणाकल्याणदायिन्यै नमः। ॐ
हर्ली ईमनायै नमः। ॐ हर्ली मानस्यै नमः। 170। ॐ हर्ली
चिन्त्यायै नमः। ॐ हर्ली ईमुनायै नमः। ॐ हर्ली शंकरप्रियायै
नमः। ॐ हर्ली टंकार्यै नमः। ॐ हर्ली टिटिकायै नमः। ॐ हर्ली
टीकायै नमः। ॐ हर्ली टंकिन्यै नमः। ॐ हर्ली ट्वर्गकायै नमः।
ॐ हर्ली टापायै नमः। ॐ हर्ली टोपायै नमः। 180। ॐ हर्ली
टपतिष्टमन्यै नमः। ॐ हर्ली टमनप्रियायै नमः। ॐ हर्ली
ठकारधारिण्यै नमः। ॐ हर्ली ठीकायै नमः। ॐ हर्ली ठंकर्यै नमः।
ॐ हर्ली ठिकरप्रियायै नमः। ॐ हर्ली ठेकठासायै नमः। ॐ हर्ली
ठकरत्यै नमः। ॐ हर्ली ठामिन्यै नमः। ॐ हर्ली ठमनप्रियायै
नमः। 190। ॐ हर्ली डारहायै नमः। ॐ हर्ली डाकिन्यै नमः।
ॐ हर्ली डारायै नमः। ॐ हर्ली डामरायै नमः। ॐ हर्ली
डामरप्रियायै नमः। ॐ हर्ली डखिन्यै नमः। ॐ हर्ली डड्युक्तायै
नमः। ॐ हर्ली डमरुकरवल्लभायै नमः। ॐ हर्ली ढक्कायै नमः।

ॐ ह्रीं ढ्वयै नमः।200। ॐ ह्रीं ढ्वक्कनादायै नमः। ॐ ह्रीं
ढोलशब्दप्रबोधिन्यै नमः। ॐ ह्रीं ढामिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
ढामनप्रीतायै नमः। ॐ ह्रीं ढगतंत्रप्रकाशिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
अनेकरूपिण्यै नमः। ॐ ह्रीं अम्बायै नमः। ॐ ह्रीं
अणिमासिद्धिदायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं आमंत्रिण्यै नमः। ॐ ह्रीं
अणुकर्यै नमः।210। ॐ ह्रीं अणुमद्भानु संस्थितायै नमः। ॐ
ह्रीं तारायै नमः। ॐ ह्रीं तन्त्रावत्यै नमः। ॐ ह्रीं तंत्रायै
नमः। ॐ ह्रीं तत्त्वरूपायै नमः। ॐ ह्रीं तपस्विन्यै नमः। ॐ
ह्रीं तरंगिण्यै नमः। ॐ ह्रीं तत्त्वपरायै नमः। ॐ ह्रीं
तान्त्रिकायै नमः। ॐ ह्रीं तंत्रविग्रहायै नमः।220। ॐ ह्रीं
तपोरूपायै नमः। ॐ ह्रीं तत्त्वदात्र्यै नमः। ॐ ह्रीं
तपःप्रीतीप्रघर्षिण्यै नमः। ॐ ह्रीं तंत्रयंत्रार्चनपरायै नमः। ॐ ह्रीं
तलातलनिवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं तल्पदायै नमः। ॐ ह्रीं
स्वल्पदायै नमः। ॐ ह्रीं काम्यायै नमः। ॐ ह्रीं स्थिरायै
नमः। ॐ ह्रीं स्थिरतरायै नमः।230। ॐ ह्रीं स्थित्यै नमः।
ॐ ह्रीं स्थाणुप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं स्थितिपरायै नमः। ॐ
ह्रीं लतास्थानप्रदायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं दिगम्बरायै नमः। ॐ
ह्रीं दयारूपायै नमः। ॐ ह्रीं दावाग्निदमन्यै नमः। ॐ ह्रीं
दमायै नमः। ॐ ह्रीं दुर्गायै नमः। ॐ ह्रीं दुर्गापरायै
नमः।240। ॐ ह्रीं देव्यै नमः। ॐ ह्रीं दुष्टदैत्यविनाशिन्यै

नमः। ॐ ह्रीं दमनप्रमदायै नमः। ॐ ह्रीं दैत्यदयादानपरायिण्यै
नमः। ॐ ह्रीं दुर्गातिनाशिन्यै नमः। ॐ ह्रीं दान्तायै नमः।
ॐ ह्रीं दम्भिन्यै नमः। ॐ ह्रीं दम्भवर्जितायै नमः। ॐ ह्रीं
दिगम्बरप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं दम्भायै नमः। 250। ॐ ह्रीं
दैत्यदम्भविदारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं दमनायै नमः। ॐ ह्रीं
दशनसौन्दर्यायै नमः। ॐ ह्रीं दानवेन्द्रविनाशिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
दयाधरायै नमः। ॐ ह्रीं दमन्यै नमः। ॐ ह्रीं
दर्भपत्रविलासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं धारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं धरण्यै
नमः। ॐ ह्रीं धात्र्यै नमः। 260। ॐ ह्रीं धराधरप्रियायै नमः।
ॐ ह्रीं धराधरसुतादेव्यै नमः। ॐ ह्रीं सुधर्मायै नमः। ॐ
ह्रीं धर्मचारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं धर्मज्ञायै नमः। ॐ ह्रीं
धवलायै नमः। ॐ ह्रीं धूलायै नमः। ॐ ह्रीं धनदायै नमः।
ॐ ह्रीं धनवर्द्धिन्यै नमः। ॐ ह्रीं धीरायै नमः। 270। ॐ
ह्रीं अधीरायै नमः। ॐ ह्रीं धीरतरायै नमः। ॐ ह्रीं
धीरसिद्धिप्रदायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं धन्वन्तरीधरायै नमः। ॐ ह्रीं
धीरायै नमः। ॐ ह्रीं ध्येयायै नमः। ॐ ह्रीं ध्यानस्वरूपिण्यै
नमः। ॐ ह्रीं नारायण्यै नमः। ॐ ह्रीं नारसिंह्यै नमः। ॐ
ह्रीं नित्यानन्दायै नमः। 280। ॐ ह्रीं नरोत्तमायै नमः। ॐ
ह्रीं नक्तायै नमः। ॐ ह्रीं नक्तवत्यै नमः। ॐ ह्रीं नित्यायै
नमः। ॐ ह्रीं नीलजीमूतसन्निभायै नमः। ॐ ह्रीं नीलांग्यै

नमः। ॐ ह्रीं नीलवस्त्रायै नमः। ॐ ह्रीं नीलपर्वतवासिन्यै
नमः। ॐ ह्रीं सुनीलपुष्पखचितायै नमः। ॐ ह्रीं
नीलजम्बुसमप्रभायै नमः। 290। ॐ ह्रीं नित्याख्यायै नमः। ॐ
ह्रीं षोडशीविद्यायै नमः। ॐ ह्रीं नित्यायै नमः। ॐ ह्रीं
नित्यसुखावहायै नमः। ॐ ह्रीं नर्मदायै नमः। ॐ ह्रीं नन्दनायै
नमः। ॐ ह्रीं नन्दायै नमः। ॐ ह्रीं नन्दाऽनन्दविवर्द्धिन्यै नमः।
ॐ ह्रीं यशोदानन्दतनयायै नमः। ॐ ह्रीं नन्दनोद्यानवासिन्यै
नमः। 300। ॐ ह्रीं नागान्तकायै नमः। ॐ ह्रीं नागवृद्धायै
नमः। ॐ ह्रीं नागपत्न्यै नमः। ॐ ह्रीं नागिन्यै नमः। ॐ
ह्रीं नमिताशेषजनतायै नमः। ॐ ह्रीं नमकारवत्यै नमः। ॐ
ह्रीं नमस्कारायै नमः। ॐ ह्रीं पीताम्बरायै नमः। ॐ ह्रीं
पार्वत्यै नमः। ॐ ह्रीं पीताम्बरविभूषितायै नमः। 310। ॐ ह्रीं
पीतामालाम्बरधरायै नमः। ॐ ह्रीं पीताभायै नमः। ॐ ह्रीं
पिंगमूर्द्धजायै नमः। ॐ ह्रीं पीतपुष्पार्चनरतायै नमः। ॐ ह्रीं
पीतपुष्पसमर्चितायै नमः। ॐ ह्रीं परप्रभायै नमः। ॐ ह्रीं
पितृपतयै नमः। ॐ ह्रीं परसैन्यविनाशिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
परमायै नमः। ॐ ह्रीं परतंत्रायै नमः। 320। ॐ ह्रीं परमंत्रायै
नमः। ॐ ह्रीं परात्परायै नमः। ॐ ह्रीं पराविद्यायै नमः। ॐ
ह्रीं परासिद्धयै नमः। ॐ ह्रीं परास्थानप्रदायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
पुष्पायै नमः। ॐ ह्रीं पुष्पवत्यै नमः। ॐ ह्रीं नित्यायै नमः।

Shri Raj Verma Ji

Contact- 09897507933, 07500292413

ॐ ह्रीं पुष्पमालाविभूषितायै नमः। ॐ ह्रीं पुरातनायै
नमः। ३३०। ॐ ह्रीं पूर्वपरायै नमः। ॐ ह्रीं परसिद्धिप्रदायिन्यै
नमः। ॐ ह्रीं पीतानितम्बिन्यै नमः। ॐ ह्रीं पीतायै नमः।
ॐ ह्रीं पीनोन्नतपयस्तन्यै नमः। ॐ ह्रीं प्रेमायै नमः। ॐ
ह्रीं प्रमध्यमायै नमः। ॐ ह्रीं शेषायै नमः। ॐ ह्रीं
पद्मपत्रविलासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं पद्मावत्यै नमः। ३४०। ॐ ह्रीं
पद्मनेत्रायै नमः। ॐ ह्रीं पद्मायै नमः। ॐ ह्रीं पद्ममुख्यै नमः।
ॐ ह्रीं परायै नमः। ॐ ह्रीं पद्मासनायै नमः। ॐ ह्रीं
पद्मप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं पद्मरागस्वरूपिण्यै नमः। ॐ ह्रीं
पावन्यै नमः। ॐ ह्रीं पालिकायै नमः। ॐ ह्रीं पात्र्यै
नमः। ३५०। ॐ ह्रीं परदायै नमः। ॐ ह्रीं वरदायै नमः। ॐ
ह्रीं शिवायै नमः। ॐ ह्रीं प्रेतसंस्थायै नमः। ॐ ह्रीं
परानन्दायै नमः। ॐ ह्रीं परब्रह्मस्वरूपिण्यै नमः। ॐ ह्रीं
जिनेश्वरप्रियादेव्यै नमः। ॐ ह्रीं पशुरक्तप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं
पशुमांसप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं अपर्णाय नमः। ३६०। ॐ ह्रीं
परामृतपरायणायै नमः। ॐ ह्रीं पाशिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
पाशिकायै नमः। ॐ ह्रीं पशुघ्न्यै नमः। ॐ ह्रीं पशुभाषिण्यै
नमः। ॐ ह्रीं फुल्लारविन्दवदनायै नमः। ॐ ह्रीं
फुल्लोत्पलशरीरिण्यै नमः। ॐ ह्रीं परानन्दप्रदायै नमः। ॐ ह्रीं
वीणायै नमः। ॐ ह्रीं पशुपाशविनाशिन्यै नमः। ३७०। ॐ ह्रीं

Shri Raj Verma Ji

Contact- 09897507933, 07500292413

फुत्कारायै नमः। ॐ ह्रीं फुत्परायै नमः। ॐ ह्रीं फेण्यै नमः।
ॐ ह्रीं फुल्लेन्दीवरलोचनायै नमः। ॐ ह्रीं फट्मंत्रायै नमः।
ॐ ह्रीं स्फटिकायै नमः। ॐ ह्रीं स्वाहायै नमः। ॐ ह्रीं
स्फोटायै नमः। ॐ ह्रीं फट्स्वरूपिण्यै नमः। ॐ ह्रीं स्फटिकायै
नमः। ३८०। ॐ ह्रीं घुटिकायै नमः। ॐ ह्रीं घोरायै नमः। ॐ
ह्रीं स्फटिकाद्रिस्वरूपिण्यै नमः। ॐ ह्रीं वरांगनायै नमः। ॐ
ह्रीं वरधरायै नमः। ॐ ह्रीं वाराह्यै नमः। ॐ ह्रीं वासुक्यै
नमः। ॐ ह्रीं वरायै नमः। ॐ ह्रीं बिन्दुस्थायै नमः। ॐ
ह्रीं बिन्दुन्यै नमः। ३९०। ॐ ह्रीं वाण्यै नमः। ॐ ह्रीं
बिन्दुचक्रनिवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं विद्याधर्यै नमः। ॐ ह्रीं
विशालाक्ष्यै नमः। ॐ ह्रीं काशीवासिजनप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं
वेदविद्यायै नमः। ॐ ह्रीं विरुपाक्ष्यै नमः। ॐ ह्रीं विश्वयुगायै
नमः। ॐ ह्रीं बहुरुपिण्यै नमः। ॐ ह्रीं ब्रह्मशक्त्यै नमः। ४००।
ॐ ह्रीं विष्णुशक्त्ये नमः। ॐ ह्रीं पंचवक्त्रायै नमः। ॐ ह्रीं
शिवप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं वैकुण्ठवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं दैव्यै
नमः। ॐ ह्रीं वैकुण्ठपददायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं ब्रह्मरूपायै नमः।
ॐ ह्रीं विष्णुरूपायै नमः। ॐ ह्रीं परब्रह्ममहेश्वर्यै नमः। ॐ
ह्रीं भवप्रियायै नमः। ४१०। ॐ ह्रीं भवोद्भावायै नमः। ॐ
ह्रीं भवरूपायै नमः। ॐ ह्रीं भवोत्तमायै नमः। ॐ ह्रीं
भवपारायै नमः। ॐ ह्रीं भवाधारायै नमः। ॐ ह्रीं

Shri Raj Verma Ji

Contact- 09897507933, 07500292413

भाग्यवत्प्रियकारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं भद्रायै नमः। ॐ ह्रीं
सुभद्रायै नमः। ॐ ह्रीं भवदायै नमः। ॐ ह्रीं
शुम्भदैत्यविनाशिन्यै नमः। 420। ॐ ह्रीं भवान्यै नमः। ॐ ह्रीं
भैरव्यै नमः। ॐ ह्रीं भीमायै नमः। ॐ ह्रीं भद्रकाल्यै नमः।
ॐ ह्रीं सुभद्रिकायै नमः। ॐ ह्रीं भगिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
भगरूपायै नमः। ॐ ह्रीं भगमानायै नमः। ॐ ह्रीं भगोत्तमायै
नमः। ॐ ह्रीं भगप्रियायै नमः। 430। ॐ ह्रीं भगवत्यै नमः।
ॐ ह्रीं भगवासायै नमः। ॐ ह्रीं भगाकरायै नमः। ॐ ह्रीं
भगसृष्टायै नमः। ॐ ह्रीं भाग्यवत्यै नमः। ॐ ह्रीं भगरूपायै
नमः। ॐ ह्रीं भगासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं भगलिंगप्रियादेव्यै
नमः। ॐ ह्रीं भगलिंगपरायणायै नमः। ॐ ह्रीं
भगलिंगस्वरूपायै नमः। 440। ॐ ह्रीं भगलिंगविनोदिन्यै नमः।
ॐ ह्रीं भगलिंगरतादेव्यै नमः। ॐ ह्रीं भगलिंगनिवासिन्यै
नमः। ॐ ह्रीं भगमालायै नमः। ॐ ह्रीं भगकलायै नमः। ॐ
ह्रीं भगाधारायै नमः। ॐ ह्रीं भगाम्बरायै नमः। ॐ ह्रीं
भगवेगायै नमः। ॐ ह्रीं भगाभूषायै नमः। ॐ ह्रीं भगेन्द्रायै
नमः। 450। ॐ ह्रीं भाग्यरूपिण्यै नमः। ॐ ह्रीं
भगलिंगासम्भोगायै नमः। ॐ ह्रीं भगलिंगासवावहायै नमः। ॐ
ह्रीं भगलिंगसमाधुर्यै नमः। ॐ ह्रीं भगलिंगनिवेशितायै नमः।
ॐ ह्रीं भगलिंगसुपूज्यायै नमः। ॐ ह्रीं भगलिंगसमन्वितायै

नमः। ॐ ह्रीं भगलिंगविरक्तायै नमः। ॐ ह्रीं
भगलिंगसमावृतायै नमः। ॐ ह्रीं माधव्यै नमः। 460। ॐ ह्रीं
माधवीमान्यायै नमः। ॐ ह्रीं मधुरायै नमः। ॐ ह्रीं
मधुमानिन्यै नमः। ॐ ह्रीं मन्दहासायै नमः। ॐ ह्रीं
महामायायै नमः। ॐ ह्रीं मोहिन्यै नमः। ॐ ह्रीं महदुत्तमायै
नमः। ॐ ह्रीं महामोहायै नमः। ॐ ह्रीं महाविद्यायै नमः।
ॐ ह्रीं महाघोरायै नमः। 470। ॐ ह्रीं महास्मृत्यै नमः। ॐ
ह्रीं मनस्विन्यै नमः। ॐ ह्रीं मानवत्यै नमः। ॐ ह्रीं मोदिन्यै
नमः। ॐ ह्रीं मधुराननायै नमः। ॐ ह्रीं मेनकायै नमः। ॐ
ह्रीं मानिन्यै नमः। ॐ ह्रीं मान्यायै नमः। ॐ ह्रीं
मणिरत्नविभूषतायै नमः। ॐ ह्रीं मल्लिकायै नमः। 480। ॐ
ह्रीं मौलिकायै नमः। ॐ ह्रीं मालायै नमः। ॐ ह्रीं
मालाधरमदोत्तमायै नमः। ॐ ह्रीं मदनायै नमः। ॐ ह्रीं
सुन्दर्यै नमः। ॐ ह्रीं मेधायै नमः। ॐ ह्रीं मधुमत्तायै नमः।
ॐ ह्रीं मधुप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं मत्तहंसायै नमः। ॐ ह्रीं
समोन्नासायै नमः। 490। ॐ ह्रीं मत्तसिंहमहासन्यै नमः। ॐ
ह्रीं महेन्द्रवल्लभायै नमः। ॐ ह्रीं भीमायै नमः। ॐ ह्रीं
मौल्यंचायै नमः। ॐ ह्रीं मिथुनात्मजायै नमः। ॐ ह्रीं
महाकाल्यायै नमः। ॐ ह्रीं महाकाल्यै नमः। ॐ ह्रीं मनोबुद्ध्यै
नमः। ॐ ह्रीं महोत्कटायै नमः। ॐ ह्रीं माहेश्वर्यै नमः। 500।

ॐ ह्रीं महामायायै नमः। ॐ ह्रीं महिषासुरघातिन्यै नमः। ॐ
ह्रीं मधुरायै नमः। ॐ ह्रीं कीर्तिमत्तायै नमः। ॐ ह्रीं
मत्तमातंगगामिन्यै नमः। ॐ ह्रीं मदप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं
मांसरतायै नमः। ॐ ह्रीं मत्तयुक्कामकारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं
मैथुन्यवल्लभादेव्यै नमः। ॐ ह्रीं महानन्दायै नमः। 510। ॐ
ह्रीं महोत्सवायै नमः। ॐ ह्रीं मरीचिर्मायै नमः। ॐ ह्रीं रत्यै
नमः। ॐ ह्रीं मायायै नमः। ॐ ह्रीं मनोबुद्धिप्रदायिन्यै नमः।
ॐ ह्रीं मोहायै नमः। ॐ ह्रीं मोक्षायै नमः। ॐ ह्रीं
महालक्ष्म्यै नमः। ॐ ह्रीं महत्पदप्रदायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
यमरूपायै नमः। 520। ॐ ह्रीं यमुनायै नमः। ॐ ह्रीं जयन्त्यै
नमः। ॐ ह्रीं जयप्रदायै नमः। ॐ ह्रीं याम्यायै नमः। ॐ
ह्रीं यमवत्यै नमः। ॐ ह्रीं युद्धायै नमः। ॐ ह्रीं
यदुकुलविवर्द्धिन्यै नमः। ॐ ह्रीं रमायै नमः। ॐ ह्रीं रामायै
नमः। ॐ ह्रीं रामपत्न्यै नमः। 530। ॐ ह्रीं रत्नमालायै नमः।
ॐ ह्रीं रतिप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं रत्नसिंहासनस्थायै नमः। ॐ
ह्रीं रत्नाभरणमण्डितायै नमः। ॐ ह्रीं रमण्यै नमः। ॐ ह्रीं
रमणीयायै नमः। ॐ ह्रीं रत्यायै नमः। ॐ ह्रीं रसपरायणायै
नमः। ॐ ह्रीं रतानन्दायै नमः। ॐ ह्रीं रतवत्यै नमः। 540।
ॐ ह्रीं रघूणांकुलवर्द्धिन्यै नमः। ॐ ह्रीं रमणारिपरिभ्राज्यायै
नमः। ॐ ह्रीं रैधायै नमः। ॐ ह्रीं राधिकरत्नजायै नमः। ॐ

हर्ली राव्यै नमः। ॐ हर्ली रसस्वरूपायै नमः। ॐ हर्ली
रात्रिराजसुखावहायै नमः। ॐ हर्ली ऋतुजदायै नमः। ॐ हर्ली
ऋतुदायै नमः। ॐ हर्ली ऋद्धायै नमः। 550। ॐ हर्ली ऋतुरूपायै
नमः। ॐ हर्ली ऋतुप्रियायै नमः। ॐ हर्ली रक्तप्रियायै नमः। ॐ
हर्ली रक्तवत्यै नमः। ॐ हर्ली रंगिण्यै नमः। ॐ हर्ली
रक्तदन्तिकायै नमः। ॐ हर्ली लक्ष्म्यै नमः। ॐ हर्ली लज्जायै
नमः। ॐ हर्ली लक्तिकायै नमः। ॐ हर्ली लीलालग्न्यायै
नमः। 560। ॐ हर्ली निताक्षिण्यै नमः। ॐ हर्ली लीलायै नमः।
ॐ हर्ली लीलावत्यै नमः। ॐ हर्ली लोमायै नमः। ॐ हर्ली
हर्षाह्लादनपट्टिकायै नमः। ॐ हर्ली ब्रह्मस्थितायै नमः। ॐ हर्ली
ब्रह्मरूपायै नमः। ॐ हर्ली ब्रह्मण्यै नमः। ॐ हर्ली वेदवन्दितायै
नमः। ॐ हर्ली ब्रह्मोद्भवायै नमः। 570। ॐ हर्ली ब्रह्मकलायै
नमः। ॐ हर्ली ब्रह्माण्यै नमः। ॐ हर्ली ब्रह्मबोधिण्यै नमः। ॐ
हर्ली वेदांगनायै नमः। ॐ हर्ली वेदरूपायै नमः। ॐ हर्ली
वनितायै नमः। ॐ हर्ली विनतायै नमः। ॐ हर्ली वसायै नमः।
ॐ हर्ली बालायै नमः। ॐ हर्ली युवत्यै नमः। 580। ॐ हर्ली
वृद्धायै नमः। ॐ हर्ली ब्रह्मकर्मपरायिण्यै नमः। ॐ हर्ली
विन्ध्यस्थायै नमः। ॐ हर्ली विन्ध्यवासिन्यै नमः। ॐ हर्ली
विन्दुयुगायै नमः। ॐ हर्ली विन्दुभूषणायै नमः। ॐ हर्ली
विद्यावत्यै नमः। ॐ हर्ली वेदधार्यै नमः। ॐ हर्ली व्यापिकायै

नमः। ॐ ह्रीं बर्हिणीकलायै नमः। 590। ॐ ह्रीं
वामाचारप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं वह्नयै नमः। ॐ ह्रीं
वामाचारपरायणायै नमः। ॐ ह्रीं वामाचाररतादेव्यै नमः। ॐ
ह्रीं वामदेवप्रियोत्तमायै नमः। ॐ ह्रीं बुद्धेन्द्रियायै नमः। ॐ
ह्रीं विबुद्धायै नमः। ॐ ह्रीं बुद्धाचरणमालिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
बन्धमोचनकर्त्र्यै नमः। ॐ ह्रीं वारुण्यै नमः। 600। ॐ ह्रीं
वरुणालयायै नमः। ॐ ह्रीं शिवायै नमः। ॐ ह्रीं शिवप्रियायै
नमः। ॐ ह्रीं शुद्धायै नमः। ॐ ह्रीं शुद्धांगायै नमः। ॐ ह्रीं
शुक्लवर्णिकायै नमः। ॐ ह्रीं शुक्लपुष्पप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं
शुक्लायै नमः। ॐ ह्रीं शिवधर्मपरायणायै नमः। ॐ ह्रीं
शुक्लस्थायै नमः। 610। ॐ ह्रीं शुक्लिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
शुक्लरूपायै नमः। ॐ ह्रीं शुक्लपशुप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं
शुक्रस्थायै नमः। ॐ ह्रीं शुक्रिण्यै नमः। ॐ ह्रीं शुक्रायै नमः।
ॐ ह्रीं शुक्ररूपायै नमः। ॐ ह्रीं शुक्रिकायै नमः। ॐ ह्रीं
षण्मुख्यै नमः। ॐ ह्रीं षडंगायै नमः। 620। ॐ ह्रीं
षट्चक्रविनिवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं षडग्रन्थियुक्तायै नमः। ॐ
ह्रीं षोढायै नमः। ॐ ह्रीं षण्मातायै नमः। ॐ ह्रीं
षडात्मिकायै नमः। ॐ ह्रीं षडंगयुवत्यै नमः। ॐ ह्रीं
षडंगप्रकृतिर्वश्यै नमः। ॐ ह्रीं षडाननायै नमः। ॐ ह्रीं
षड्रसायै नमः। ॐ ह्रीं षष्ट्यै नमः। 630। ॐ ह्रीं षष्टेश्वर्यै

नमः। ॐ ह्रीं प्रियायै नमः। ॐ ह्रीं षडंगस्वादायै नमः। ॐ
ह्रीं षोडशयै नमः। ॐ ह्रीं षोढान्यासस्वरूपिण्यै नमः। ॐ ह्रीं
षट्चक्रभेदनकर्यै नमः। ॐ ह्रीं षट्चक्रस्थस्वरूपिण्यै नमः। ॐ
ह्रीं षोडशस्वरूपायै नमः। ॐ ह्रीं षण्मुख्यै नमः। ॐ ह्रीं
षड्रदान्वितायै नमः। 640। ॐ ह्रीं सनकादिस्वरूपायै नमः। ॐ
ह्रीं शिवधर्मपरायणायै नमः। ॐ ह्रीं सिद्धायै नमः। ॐ ह्रीं
सप्तस्वर्यै नमः। ॐ ह्रीं शुद्धायै नमः। ॐ ह्रीं सुरमातायै
नमः। ॐ ह्रीं स्वरोत्तमायै नमः। ॐ ह्रीं सिद्धविद्यायै नमः।
ॐ ह्रीं सिद्धमातायै नमः। ॐ ह्रीं सिद्धाऽसिद्धस्वरूपिण्यै
नमः। 650। ॐ ह्रीं हरायै नमः। ॐ ह्रीं हरिप्रियायै नमः।
ॐ ह्रीं हारायै नमः। ॐ ह्रीं हारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं
हार्युक्यै नमः। ॐ ह्रीं हरिरूपायै नमः। ॐ ह्रीं हरिधरायै
नमः। ॐ ह्रीं हरिणाक्ष्यै नमः। ॐ ह्रीं हरिप्रियायै नमः। ॐ
ह्रीं हेतुप्रियायै नमः। 660। ॐ ह्रीं हेतुरतायै नमः। ॐ ह्रीं
हिताऽहितस्वरूपिण्यै नमः। ॐ ह्रीं क्षमायै नमः। ॐ ह्रीं
क्षमावत्यै नमः। ॐ ह्रीं क्षीतायै नमः। ॐ ह्रीं
क्षुद्रघण्टाविभूषणायै नमः। ॐ ह्रीं क्षयंकर्यै नमः। ॐ ह्रीं
क्षितिशायै नमः। ॐ ह्रीं क्षीणमध्यसुशोभनायै नमः। ॐ ह्रीं
अजानन्तायै नमः। 670। ॐ ह्रीं अपर्णायै नमः। ॐ ह्रीं
अहल्यायै नमः। ॐ ह्रीं शेषशायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं

स्वान्तर्गतायै नमः। ॐ ह्रीं साधूनामन्तराऽनन्तरूपिण्यै नमः। ॐ
ह्रीं अरूपायै नमः। ॐ ह्रीं अमलायै नमः। ॐ ह्रीं अर्द्धायै
नमः। ॐ ह्रीं अनन्तगुणशालिन्यै नमः। ॐ ह्रीं स्वविद्यायै
नमः। 680। ॐ ह्रीं विद्यकाविद्यायै नमः। ॐ ह्रीं विद्यायै नमः।
ॐ ह्रीं अरविन्दलोचनायै नमः। ॐ ह्रीं अपराजितायै नमः।
ॐ ह्रीं जातवेदायै नमः। ॐ ह्रीं अजपायै नमः। ॐ ह्रीं
अमरावत्यै नमः। ॐ ह्रीं अल्पायै नमः। ॐ ह्रीं स्वल्पायै
नमः। ॐ ह्रीं अनल्पाद्यायै नमः। 690। ॐ ह्रीं अणिमा
सिद्धिदायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं अष्टसिद्धिप्रदादेव्यै नमः। ॐ ह्रीं
रूपलक्षणसंयुतायै नमः। ॐ ह्रीं अरविन्दमुख्यै नमः। ॐ ह्रीं
भोगसौख्यप्रदायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं आदिविद्यायै नमः। ॐ ह्रीं
आदिभूतायै नमः। ॐ ह्रीं आदिसिद्धिप्रदायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
सीत्काररूपिण्यै नमः। ॐ ह्रीं सर्वासनविभूषितायै नमः। 700।
ॐ ह्रीं इन्द्रप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं इन्द्राण्यै नमः। ॐ ह्रीं
इन्द्रप्रस्थनिवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं इन्द्राक्ष्यै नमः। ॐ ह्रीं
इन्द्रवज्रायै नमः। ॐ ह्रीं इन्द्रवद्योक्षिण्यै नमः। ॐ ह्रीं ईलायै
नमः। ॐ ह्रीं कामनिवासायै नमः। ॐ ह्रीं ईश्वरीश्वरवल्लभायै
नमः। ॐ ह्रीं जनन्यै नमः। 710। ॐ ह्रीं ईश्वर्यै नमः। ॐ
ह्रीं दीनायै नमः। ॐ ह्रीं भेदायै नमः। ॐ ह्रीं
ईश्वरकर्मकृतायै नमः। ॐ ह्रीं उमायै नमः। ॐ ह्रीं

Shri Raj Verma Ji

Contact- 09897507933, 07500292413

कात्यायन्यै नमः। ॐ ह्रीं ऊर्ध्वायै नमः। ॐ ह्रीं मीनायै
नमः। ॐ ह्रीं उत्तरवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं उमापतिप्रियायै
नमः। 720। ॐ ह्रीं शिवायै नमः। ॐ ह्रीं ओंकार रूपिण्यै
नमः। ॐ ह्रीं उरगेन्द्रशिरोरत्नायै नमः। ॐ ह्रीं
उरगोरगवल्लभायै नमः। ॐ ह्रीं उद्यानवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
मालाप्रशस्तमणिभूषणायै नमः। ॐ ह्रीं ऊर्ध्वदन्तोत्तमांग्यै नमः।
ॐ ह्रीं उत्तमायै नमः। ॐ ह्रीं ऊर्ध्वकेशिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
उमासिद्धिप्रदायायै नमः। 730। ॐ ह्रीं उरगासनसंस्थितायै नमः।
ॐ ह्रीं ऋषिपुत्र्यै नमः। ॐ ह्रीं ऋषिच्छन्दायै नमः। ॐ ह्रीं
ऋद्धिसिद्धिप्रदायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं उत्सवोत्सवसीमान्तायै नमः।
ॐ ह्रीं कामिकायै नमः। ॐ ह्रीं गुणान्वितायै नमः। ॐ ह्रीं
एलायै नमः। ॐ ह्रीं एकारविद्यायै नमः। ॐ ह्रीं
एणीविद्याधरायै नमः। 740। ॐ ह्रीं ॐंकारवलयोपेतायै नमः।
ॐ ह्रीं ॐंकारपरमाकलायै नमः। ॐ ह्रीं वदवदवाण्यै नमः।
ॐ ह्रीं ॐंकाराक्षरमण्डितायै नमः। ॐ ह्रीं ऐन्द्र्यै नमः। ॐ
ह्रीं कुलिशहस्तायै नमः। ॐ ह्रीं लोकपरवासिन्यै नमः। ॐ
ह्रीं कारमध्यबीजायै नमः। ॐ ह्रीं नमोरूपधारिण्यै नमः। ॐ
ह्रीं परब्रह्मस्वरूपायै नमः। 750। ॐ ह्रीं अंशुकांशुकवल्लभायै
नमः। ॐ ह्रीं ॐंकारायै नमः। ॐ ह्रीं अः फट्मंत्रायै नमः।

ॐ ह्रीं अक्षाक्षरविभूषितायै नमः। ॐ ह्रीं अमन्त्रायै नमः। ॐ
ह्रीं मन्त्ररूपायै नमः। ॐ ह्रीं पदशोभासमन्वितायै नमः। ॐ
ह्रीं प्रणवोंकाररूपायै नमः। ॐ ह्रीं प्रणवोच्चारभाक्त्यै नमः। ॐ
ह्रीं ह्रींकाररूपायै नमः। 760। ॐ ह्रीं ह्रींकार्यै नमः। ॐ ह्रीं
वाग्बीजाक्षरभूषणायै नमः। ॐ ह्रीं हल्लेखायै नमः। ॐ ह्रीं
सिद्धियोगायै नमः। ॐ ह्रीं हृतपद्मासनसंस्थितायै नमः। ॐ ह्रीं
बीजाख्यायै नमः। ॐ ह्रीं नेत्रहृदयायै नमः। ॐ ह्रीं ह्रीं बीजायै
नमः। ॐ ह्रीं भुवनेश्वर्यै नमः। ॐ ह्रीं क्लीं कामराजायै
नमः। 770। ॐ ह्रीं क्लिन्नायै नमः। ॐ ह्रीं चतुर्वर्गफलप्रदायै
नमः। ॐ ह्रीं क्लीं क्लीं क्लीं रूपिकायै नमः। ॐ ह्रीं क्रीं क्रीं
क्रीं नामधारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं कमलाशक्तिबीजायै नमः। ॐ
ह्रीं पाशांकुशविभूषितायै नमः। ॐ ह्रीं श्रीश्रीकारायै नमः। ॐ
ह्रीं महाविद्यायै नमः। ॐ ह्रीं श्रद्धायै नमः। ॐ ह्रीं श्रद्धावत्यै
नमः। 780। ॐ ह्रीं ॐ ऐं क्लीं ह्रीं श्रीं परायै नमः। ॐ ह्रीं
क्लींकारी परमाकलायै नमः। ॐ ह्रीं ह्रीं क्लीं श्रींकारस्वरूपायै
नमः। ॐ ह्रीं सर्वकर्मफलप्रदायै नमः। ॐ ह्रीं सर्वाढ्यायै
नमः। ॐ ह्रीं सर्वदेव्यै नमः। ॐ ह्रीं सर्वसिद्धिप्रदायै नमः।
ॐ ह्रीं सर्वज्ञायै नमः। ॐ ह्रीं सर्वशक्त्यै नमः। ॐ ह्रीं
वाग्विभूतिप्रदायिन्यै नमः। 790। ॐ ह्रीं सर्वमोक्षप्रदायै नमः। ॐ
ह्रीं सर्वभोगप्रदायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं गुणेन्द्रवल्लभायै नमः। ॐ

Shri Raj Verma Ji

Contact- 09897507933, 07500292413

हर्ली वामायै नमः। ॐ हर्ली सर्वशक्तिप्रदायिन्यै नमः। ॐ हर्ली
सर्वानन्दमय्यै नमः। ॐ हर्ली सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै नमः। ॐ हर्ली
सर्वचक्रेश्वर्यै नमः। ॐ हर्ली सर्वसिद्धेश्वर्यै नमः। ॐ हर्ली
सर्वप्रियंकर्यै नमः। 800। ॐ हर्ली सर्वसौख्यप्रदायिन्यै नमः। ॐ
हर्ली सर्वानन्दप्रदायै नमः। ॐ हर्ली ब्रह्मानन्दप्रदायिन्यै नमः। ॐ
हर्ली मनोवांछितदात्र्यै नमः। ॐ हर्ली मनोबुद्धिसमन्वितायै नमः।
ॐ हर्ली अकारादिक्षकारान्तायै नमः। ॐ हर्ली दुर्गायै नमः। ॐ
हर्ली दुर्गतिनाशिन्यै नमः। ॐ हर्ली पद्मनेत्रायै नमः। ॐ हर्ली
सुनेत्रायै नमः। 810। ॐ हर्ली स्वधायै नमः। ॐ हर्ली स्वाहायै
नमः। ॐ हर्ली वषट्कर्यै नमः। ॐ हर्ली स्ववर्गायै नमः। ॐ
हर्ली देववर्गायै नमः। ॐ हर्ली तवर्गायै नमः। ॐ हर्ली
समन्वितायै नमः। ॐ हर्ली अन्तस्थायै नमः। ॐ हर्ली
वेश्मरूपायै नमः। ॐ हर्ली नवदुर्गायै नमः। 820। ॐ हर्ली
नरोत्तमायै नमः। ॐ हर्ली तत्त्वसिद्धिप्रदायै नमः। ॐ हर्ली नीलायै
नमः। ॐ हर्ली नीलपताकिन्यै नमः। ॐ हर्ली नित्यरूपायै नमः।
ॐ हर्ली निशाकर्यै नमः। ॐ हर्ली स्तम्भिन्यै नमः। ॐ हर्ली
मोहिन्यै नमः। ॐ हर्ली वशंकर्यै नमः। ॐ हर्ली उच्चाट्यै नमः।
830। ॐ हर्ली उन्माद्यै नमः। ॐ हर्ली आकर्षिण्यै नमः। ॐ
हर्ली मातंग्यै नमः। ॐ हर्ली मधुमत्यै नमः। ॐ हर्ली अणिमायै
नमः। ॐ हर्ली लघिमायै नमः। ॐ हर्ली सिद्धायै नमः। ॐ

ह्रीं मोक्षप्रदायै नमः। ॐ ह्रीं नित्यायै नमः। ॐ ह्रीं
नित्यानन्दप्रदायिन्यै नमः। १४४०। ॐ ह्रीं रक्तांग्यै नमः। ॐ ह्रीं
रक्तनेत्रायै नमः। ॐ ह्रीं रक्तचन्दनभूषितायै नमः। ॐ ह्रीं
स्वल्पसिद्धयै नमः। ॐ ह्रीं सुकल्पायै नमः। ॐ ह्रीं
दिव्याचरणशुक्रभायै नमः। ॐ ह्रीं संक्रान्त्यै नमः। ॐ ह्रीं
सर्वविद्यायै नमः। ॐ ह्रीं सस्यवासरभूषितायै नमः। ॐ ह्रीं
प्रथमायै नमः। १४५०। ॐ ह्रीं द्वितीयायै नमः। ॐ ह्रीं तृतीयायै
नमः। ॐ ह्रीं चतुर्थ्यै नमः। ॐ ह्रीं पंचम्यै नमः। ॐ ह्रीं
षष्ठ्यै नमः। ॐ ह्रीं विशुद्धायै नमः। ॐ ह्रीं सप्तम्यै नमः।
ॐ ह्रीं अष्टम्यै नमः। ॐ ह्रीं नवम्यै नमः। ॐ ह्रीं दशम्यै
नमः। १४६०। ॐ ह्रीं एकादश्यै नमः। ॐ ह्रीं द्वादश्यै नमः।
ॐ ह्रीं त्रयोदश्यै नमः। ॐ ह्रीं चतुर्दश्यै नमः। ॐ ह्रीं
पूर्णिमायै नमः। ॐ ह्रीं अमावस्यै नमः। ॐ ह्रीं पूर्वायै नमः।
ॐ ह्रीं उत्तरायै नमः। ॐ ह्रीं परिपूर्णिमायै नमः। ॐ ह्रीं
खड्गिन्यै नमः। १४७०। ॐ ह्रीं चक्रिण्यै नमः। ॐ ह्रीं घोरायै
नमः। ॐ ह्रीं गदिन्यै नमः। ॐ ह्रीं शूलिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
भुशुण्ड्यै नमः। ॐ ह्रीं चापिण्यै नमः। ॐ ह्रीं बाणायै नमः।
ॐ ह्रीं सर्वायुद्धविभूषणायै नमः। ॐ ह्रीं कुलेश्वर्यै नमः। ॐ
ह्रीं कुलवत्यै नमः। १४८०। ॐ ह्रीं कुलाचारपरायणायै नमः। ॐ
ह्रीं कुलकर्मसुरक्तायै नमः। ॐ ह्रीं कुलाचारप्रवर्द्धिन्यै नमः। ॐ

Shri Raj Verma Ji

Contact- 09897507933, 07500292413

हर्ली कीर्त्यै नमः। ॐ हर्ली श्रियै नमः। ॐ हर्ली रमायै नमः।
ॐ हर्ली रामायै नमः। ॐ हर्ली धर्मायै नमः। ॐ हर्ली क्षमायै
नमः। ॐ हर्ली धृत्यै नमः। १९०। ॐ हर्ली स्मृत्यै नमः। ॐ
हर्ली मेधायै नमः। ॐ हर्ली कल्पवृक्षनिवासिन्यै नमः। ॐ हर्ली
उग्रायै नमः। ॐ हर्ली उग्रप्रभायै नमः। ॐ हर्ली गौर्यै नमः। ॐ
हर्ली वेदविद्याविबोधिन्त्यै नमः। ॐ हर्ली साध्यायै नमः। ॐ हर्ली
सिद्धायै नमः। ॐ हर्ली सुसिद्धायै नमः। १००। ॐ हर्ली
विप्ररूपायै नमः। ॐ हर्ली काल्यै नमः। ॐ हर्ली कराल्यै नमः।
ॐ हर्ली काल्यायै नमः। ॐ हर्ली कालदैत्यविनाशिन्यै नमः। ॐ
हर्ली कौलिन्यै नमः। ॐ हर्ली कालिक्यै नमः। ॐ हर्ली क च ट
त प वर्णिकायै नमः। ॐ हर्ली जयिन्यै नमः। ॐ हर्ली
जययुक्तायै नमः। ११०। ॐ हर्ली जयदायै नमः। ॐ हर्ली
जृम्भिण्यै नमः। ॐ हर्ली स्राविण्यै नमः। ॐ हर्ली द्राविण्यै नमः।
ॐ हर्ली भेरुण्डायै नमः। ॐ हर्ली विन्ध्यवासिन्यै नमः। ॐ
हर्ली ज्योतिर्भूतायै नमः। ॐ हर्ली जयदायै नमः। ॐ हर्ली
ज्वालामालासमाकुलायै नमः। ॐ हर्ली भिन्न-अभिन्न प्रकाशायै
नमः। १२०। ॐ हर्ली विभिन्नायै नमः। ॐ हर्ली भिन्नरूपिण्यै
नमः। ॐ हर्ली अश्विन्यै नमः। ॐ हर्ली भरण्यै नमः। ॐ
नक्षत्रसम्भवानिलायै नमः। ॐ काश्यप्यै नमः। ॐ विनतायै नमः।
ॐ ख्यातायै नमः। ॐ दितिजायै नमः। ॐ दित्यै नमः। १३०।

Shri Raj Verma Ji

Contact- 09897507933, 07500292413

ॐ ह्रीं कीर्त्यै नमः। ॐ ह्रीं कामप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं
कीर्त्यायै नमः। ॐ ह्रीं कीर्तिविवर्द्धिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
सद्योमांससमालब्धायै नमः। ॐ ह्रीं सद्यश्छिन्नासिशंकरायै नमः।
ॐ ह्रीं दक्षिणायै नमः। ॐ ह्रीं उत्तरायै नमः। ॐ ह्रीं
पूर्वायै नमः। ॐ ह्रीं पश्चिमायै नमः। 1940। ॐ ह्रीं अग्नयै
नमः। ॐ ह्रीं नैऋत्यै नमः। ॐ ह्रीं वायव्यायै नमः। ॐ
ह्रीं ईशान्यै नमः। ॐ ह्रीं ऊर्ध्वांगायै नमः। ॐ ह्रीं
अधोगतायै नमः। ॐ ह्रीं श्वेतायै नमः। ॐ ह्रीं कृष्णायै नमः।
ॐ ह्रीं रक्तायै नमः। ॐ ह्रीं पीतकायै नमः। 1950। ॐ ह्रीं
ॐ चतुर्वर्गायै नमः। ॐ ह्रीं चतुर्वर्णायै नमः। ॐ ह्रीं
चतुर्मात्रात्मिकाक्षरायै नमः। ॐ ह्रीं चतुर्मुख्यै नमः। ॐ ह्रीं
चतुर्वेदायै नमः। ॐ ह्रीं चतुर्विद्यायै नमः। ॐ ह्रीं चतुर्मुखायै
नमः। ॐ ह्रीं चतुर्गणायै नमः। ॐ ह्रीं चतुर्मातायै नमः। ॐ
ह्रीं चतुर्वर्गफलप्रदायै नमः। 1960। ॐ ह्रीं धात्र्यै नमः। ॐ
ह्रीं विधात्र्यै नमः। ॐ ह्रीं मिथुनायै नमः। ॐ ह्रीं नार्यै
नमः। ॐ ह्रीं नायकवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं सुरामुदायै नमः।
ॐ ह्रीं मुदवत्यै नमः। ॐ ह्रीं मोदिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
मेनकात्मजायै नमः। ॐ ह्रीं ऊर्ध्वकाल्यै नमः। 1970। ॐ ह्रीं
सिद्धकाल्यै नमः। ॐ ह्रीं दक्षिणा नमः। ॐ कालिकायै नमः।

ॐ ह्रीं शिवायै नमः। ॐ ह्रीं नील्या नमः। ॐ ह्रीं सरस्वत्यै नमः। ॐ ह्रीं बगलायै नमः। ॐ ह्रीं छिन्नमस्तकायै नमः। ॐ ह्रीं सर्वेश्वर्यै नमः। ॐ ह्रीं सिद्धविद्यायै नमः। १९८०। ॐ ह्रीं परायै नमः। ॐ ह्रीं परमदेवतायै नमः। ॐ ह्रीं हिंगुलायै नमः। ॐ ह्रीं हिंगुलांग्यै नमः। ॐ ह्रीं हिंगुलाधरवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं हिंगुलोत्तमवर्णाभायै नमः। ॐ ह्रीं हिंगुलाभरणायै नमः। ॐ ह्रीं जाग्रत्यै नमः। ॐ ह्रीं जगन्मातायै नमः। ॐ ह्रीं जगदीश्वरवल्लभायै नमः। १९९०। ॐ ह्रीं जर्नादनप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं जययुक्तायै नमः। ॐ ह्रीं जयप्रदायै नमः। ॐ ह्रीं जगदानन्दकर्यै नमः। ॐ ह्रीं जगदाह्लादकारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं ज्ञानदानकर्यै नमः। ॐ ह्रीं यज्ञायै नमः। ॐ ह्रीं जानक्यै नमः। ॐ ह्रीं जनकप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं जयन्त्यै नमः। १०००। ॐ ह्रीं जयदायै नमः। ॐ ह्रीं नित्यायै नमः। ॐ ह्रीं ज्वलदग्निसमप्रभायै नमः। ॐ ह्रीं विद्याधरायै नमः। ॐ ह्रीं बिम्बोष्ठ्यै नमः। ॐ ह्रीं कैलासाचलवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं विभवायै नमः। ॐ ह्रीं वडवाग्न्यै नमः। ॐ ह्रीं अग्निहोत्रफलप्रदायै नमः। ॐ ह्रीं मन्त्ररूपायै नमः। १०१०। ॐ ह्रीं परादेव्यै नमः। ॐ ह्रीं गुरुरूपिण्यै नमः। ॐ ह्रीं गयायै नमः। ॐ ह्रीं गंगायै नमः। ॐ ह्रीं गोमत्यै नमः। ॐ ह्रीं प्रभासायै नमः। ॐ ह्रीं

पुष्कर्यै नमः। ॐ ह्रीं विन्ध्याचलरतायै नमः। ॐ ह्रीं
विन्ध्याचलनिवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं बहू नमः। 1020। ॐ
बहुसुन्दर्यै नमः। ॐ ह्रीं कंसासुरविनाशिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
शूलिन्यै नमः। ॐ ह्रीं शूलहस्तायै नमः। ॐ ह्रीं वज्रायै नमः।
ॐ ह्रीं वज्रहरायै नमः। ॐ ह्रीं दुर्गायै नमः। ॐ ह्रीं
शिवायै नमः। ॐ ह्रीं शान्तिकर्यै नमः। ॐ ह्रीं ब्रह्माण्यै
नमः। 1030। ॐ ह्रीं ब्राह्मणप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं
सर्वलोप्रणेत्र्यै नमः। ॐ ह्रीं सर्वरोगहरायै नमः। ॐ ह्रीं
मंगलायै नमः। ॐ ह्रीं शोभनायै नमः। ॐ ह्रीं शुद्धायै नमः।
ॐ ह्रीं निष्कलायै नमः। ॐ ह्रीं परमाकलायै नमः। ॐ ह्रीं
विश्वेश्वर्यै नमः। ॐ ह्रीं विश्वमातायै नमः। 1040। ॐ ह्रीं
ललितायै नमः। ॐ ह्रीं वसिताननायै नमः। ॐ ह्रीं सदाशिवायै
नमः। ॐ ह्रीं उमायै नमः। ॐ ह्रीं क्षेमायै नमः। ॐ ह्रीं
चण्डिकायै नमः। ॐ ह्रीं चण्डविक्रमायै नमः। ॐ ह्रीं
सर्वदेवमयै नमः। ॐ ह्रीं सर्वागमभयापहायै नमः। ॐ ह्रीं
ब्रह्मेशविष्णुनमितायै नमः। 1050। ॐ ह्रीं सर्वकल्याणकारिण्यै
नमः। ॐ ह्रीं योगिन्यै नमः। ॐ ह्रीं योगमातायै नमः। ॐ
ह्रीं योगीन्द्रहृदय स्थितायै नमः। ॐ ह्रीं योगिजायायै नमः। ॐ
ह्रीं योगवत्यै नमः। ॐ ह्रीं योगीन्द्रानन्ददायिन्यै नमः। ॐ
ह्रीं इन्द्रादिनमितायै नमः। ॐ ह्रीं ईश्वर्यै नमः। ॐ ह्रीं

ईश्वरप्रियायै नमः।।1060। ॐ ह्रीं विशुद्धिदायै नमः। ॐ ह्रीं
भयहरायै नमः। ॐ ह्रीं भक्तद्वेषिभयंकर्यै नमः। ॐ ह्रीं
भववेषायै नमः। ॐ ह्रीं कामिन्यै नमः। ॐ ह्रीं भेरुण्डायै
नमः। ॐ ह्रीं भयकारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं बलभद्रप्रियाकारायै
नमः। ॐ ह्रीं संसारार्णवतारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं पंचभूतायै
नमः।।1070। ॐ ह्रीं सर्वभूतायै नमः। ॐ ह्रीं
विभूतिभूतिधारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं सिंहवाहायै नमः। ॐ ह्रीं
महामोहायै नमः। ॐ ह्रीं मोहपाशविनाशिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
मन्दुरायै नमः। ॐ ह्रीं मदिरायै नमः। ॐ ह्रीं मुद्रायै नमः।
ॐ ह्रीं मुदामुद्गरधारिण्यै नमः। ॐ ह्रीं सावित्र्यै
नमः।।1080। ॐ ह्रीं महादेव्यै नमः। ॐ ह्रीं
परप्रियनिनायिकायै नमः। ॐ ह्रीं यमदूत्यै नमः। ॐ ह्रीं
पिंगाक्ष्यै नमः। ॐ ह्रीं वैष्णव्यै नमः। ॐ ह्रीं शंकर्यै नमः।
ॐ ह्रीं चन्द्रप्रियायै नमः। ॐ ह्रीं चन्द्ररतायै नमः। ॐ ह्रीं
चन्द्रनारण्यवासिन्यै नमः। ॐ ह्रीं चन्द्रनेन्द्रसमायुक्तायै
नमः।।1090। ॐ ह्रीं चण्डदैत्यविनाशिन्यै नमः। ॐ ह्रीं
सर्वेश्वर्यै नमः। ॐ ह्रीं यक्षिण्यै नमः। ॐ ह्रीं किरात्यै नमः।
ॐ ह्रीं राक्षस्यै नमः। ॐ ह्रीं महाभोगवतीदेव्यै नमः। ॐ
ह्रीं महामोक्षप्रदायिन्यै नमः। ॐ ह्रीं विश्वहन्त्र्यै नमः। ॐ

हर्ली विश्वरूपायै नमः। ॐ हर्ली विश्वसंहारकारिण्यै नमः।। 1 1 0 0 ।
ॐ हर्ली धात्र्यै नमः। ॐ हर्ली सर्वलोकानां हितकारण्यै नमः।
ॐ हर्ली कामिन्यै नमः। ॐ हर्ली कमलायै नमः। ॐ हर्ली
सूक्ष्मदायै नमः। ॐ हर्ली धात्र्यै नमः। ॐ हर्ली हरविनाशिन्यै
नमः। ॐ हर्ली सुरेन्द्रपूजितायै नमः। ॐ हर्ली सिद्धायै नमः।
ॐ हर्ली महातेजोवत्यै नमः। ॐ हर्ली परारूपवत्यै नमः। ॐ
हर्ली त्रैलोक्याकर्षणकारिण्यै नमः।। 1 1 1 2 ।

फलश्रुति- इति मे विष्णुना प्रोक्तं महास्तम्भकरं परम्। प्रातःकाले च
मध्याह्ने संध्याकाले च पार्वती। एकचित्तः पठेदेतत्
सर्वसिद्धिर्भविष्यति। एकवारं पठेद् यस्तु सर्वपापक्षयो भवेत्।। द्विवारं
च पठेद् यस्तु विघ्नेश्वर समोभवेत्। त्रिवारं पठनाद् देवि सर्व सिध्यति
सर्वथा।। स्तवस्यास्य प्रभावेण साक्षाद्भवति सुब्रते। मोक्षार्थी लभते
मोक्षं धनार्थी लभते धनम्।। विद्यार्थी लभते विद्यां
तर्कव्याकरणान्विताम्। महित्वं वत्सरान्ताच्च शत्रुहानिः प्रजायते।।
क्षोणीपतिवर्षस्तस्य स्मरणे सदृशो भवेत्। यः पठेत् सर्वदा भक्त्या
श्रेयस्तु भवति प्रिये।। गणाध्यक्षप्रतिनिधिः कविकाव्यपरो वरः।
गोपनीयं प्रयत्नेन जननीजारवत् सदा।। हेतुयुक्तो भवेन्नित्यं
शक्तियुक्तः सदा भवेत्। यः इदं पठते नित्यं शिवेन सदृशो भवेत्।।
जीवन् धर्मार्थभोगी स्यान् मृतो मोक्षपतिर्भवेत्। सत्यं सत्यं महादेवि
सत्यं सत्यं न संशयः।। स्तवस्यास्य प्रभावेण देवेन सह मोदते।

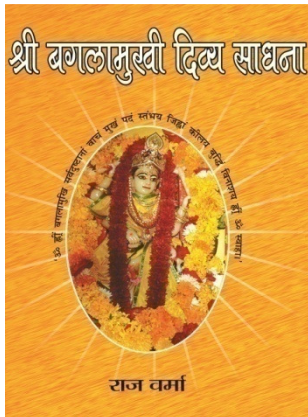
सुचित्ताश्च सुराः सर्वे स्तवराजस्य कीर्तनात् ॥ पीताम्बरपरीधानां
पीतगंधानुलेपनाम् । परमोदयकीर्तिः स्यात् स्मरतः सुरसुन्दरि ॥

Books Written by Gurudev Shri Raj Verma ji

- Divya Mantra Sadhana Evam Siddhi



- Shri Baglamukhi Divya Sadhana



Shri Raj Verma Ji
Contact- 09897507933, 07500292413